राष्ट्रीय राजमार्गों को चार लेन का बनाया जाना

2994. श्री राधा किशन मालवीय : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विभिन्न राज्यों में विशेषकर मध्य प्रदेश में जिन राष्ट्रीय राजमार्गों को वर्ष 1993-94 के दौरान चार लेन में परिवर्तित किये जाने का प्रस्ताव है, उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) इस प्रयोजन के लिए कितनी धनराशि निर्धारित की गई है; और

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों को चार लेन में परिवर्तित करने के लिए उसके चयन हेतु क्या नीति/मानदंड अपनाया जाता है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) और (ख) वर्ष 1993-94 के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के उन खंडों के ब्यौरे, जिन्हें 4 लेन का बनाए जाने हेतु स्वीकृत किए जाने का प्रस्ताव है अथवा जिन्हें पहले ही स्वीकृति दी जा चुकी हैं, दर्शाने वाला विवरण संलग्न है। (नीचे देखिए)

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा किए जाने के लिए मूल मानदंड यह है कि यातायात की संख्या 15,000 पी सी यू (यात्री कार यूनिट) से अधिक हो तथा कार्य की समग्र प्राथमिकता तथा इस प्रयोजन हेतु निधियों की उपलब्धता को भी ध्यान में रखा जाता है।

विवरण

विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्गों को 4 लेन का बनाया जाना

क्र०सं०	राज्य	रा०रा० सं०	खंड	लम्बाई कि० मि०	अनुमानित लागत (करोड़ रु०)
1.	आंध्र प्रदेश	5	विजयवाड़ा चिलाकलूरी पेट	80	250.00
		5	3.4 से 13 कि० मी० विजयवाडा-इलूरू	10	15.00
		9	252-265 कि० मी० नेदीगामा विजयवाड़ा	13	20.00
2.	बिहार	2	बरवाड़ा-बाराकर	43	115.00
3.	गुजरात	8	259.4-263.4 कि०मी० में 4 लेन का आर ओ बी तथा इसके संपर्क मार्ग	4	10.00
		8	192-198 कि०मी० पर जडेश्वर पर दो लेन वाला अतिरिक्त पुल	6	40.00
		8	114.92-120.05 कि०मी० पर बड़ोधरा बाईपास	5	5.00
4.	हरियाणा	8	36.63-107.18 कि०मी० गुड़गांव-जयपुर	71	125.00
5.	राजस्थान	8	107.18-162 कि०मी० गुड़गांव-जयपुर	55	91.00
6.	तमिलनाडु	7	हुसूर-तमिलनाडु/कर्नाटक बार्डर	9	12.00
7.	उत्तर प्रदेश	24	गाजियाबाद-हापुड़	21	30.00
8.	पश्चिम बंगाल	2	रानीगंज-अपानागढ़	42	25.00
			योग :	359	738.99